भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
11.02.2026 के
अतारांकित प्रश्न सं. 1898 का उत्तर

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत बेंगलुरु सर्कल

1898. श्री तेजस्वी सूर्या:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत बेंगलुरु सर्कल में पुनर्विकसित किए जा रहे रेल स्टेशनों की सूची क्या है और प्रत्येक स्टेशन पर कार्य प्रारंभ होने की तिथि क्या है;

(ख) स्वीकृत लागत, संशोधित लागत (यदि कोई हो), अब तक किए गए व्यय और लागत में वृद्धि के कारणों का स्टेशनवार ब्यौरा क्या है;

(ग) इन स्टेशनों में से प्रत्येक पर कार्यों को पूरा करने के लिए निर्धारित समय-सीमा क्या है और स्टेशनवार वर्तमान भौतिक और वित्तीय प्रगति क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा पुनर्विकास कार्यों को समय पर पूरा करने और लागत में और वृद्धि को रोकने के लिए किए गए/किए जा रहे उपाय क्या हैं तथा कार्य समाप्ति की संशोधित समय-सीमा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): रेल मंत्रालय ने स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण से अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है। अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए 1337 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से 61 स्टेशन कर्नाटक में स्थित हैं। इसमें बेंगलुरु कैंट, क्रांति वीर संगोली रायण्णा (बेंगलुरू स्टेशन), यशवंतपुर, मल्लेश्वरम,

व्हाइटफील्ड, कृष्णराजपुरम, केंगेरी, चैनसंद्रा और डोडबल्लापुर के स्टेशन शामिल हैं, जो बेंगलुरु नगर क्षेत्र में स्थित हैं। कर्नाटक में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित स्टेशनों के नाम इस प्रकार हैं:

राज्य	अमृत स्टेशनों की संख्या	अमृत स्टेशनों के नाम
कर्नाटक	61	अलमट्टि, अलनावर, अर्सिकेरे जंक्शन, बादामी, बागलकोट, बल्लारी, बैंगलोर कैंट, बंगारपेट, बंटवाल, बेलागवी, बीदर, बीजापुर, चामराज नगर, चन्नापटना, चन्नासंद्रा, चिक्कमगलूरु, चित्रदुर्ग, दावनगेरे, धारवाड़, डोडबल्लापुर, गदग, गंगापुर रोड, गंगावती, घाटप्रभा, गोकक रोड, गुब्बि, हरिहर, हसन, होसपेटे, कालाबुरगी, केंगेरी, कोप्पल, क्रान्तिवीर संगोल्लि रायाण्ण (बेंगलुरु स्टेशन), कृष्णराजपुरम, मल्लेश्वरम, मलूर, मांड्या, मैंगलोर सेंट्रल, मैंगलोर जंक्शन, मुनीराबाद, मैसूर, रायबाग रायचूर, रामनगरम, रानीबेन्नूर, सागर जंबागरू, सकलेशपुर, शाहाबाद, शिवमोगा टाउन, श्रवणबेलगोला, श्री सिद्धारूढ़ा स्वामीजी हुब्बल्लि जंक्शन, सुब्रह्मण्य रोड, तालगुप्पा, तिप्टुर, तुमकुरु, उडुपि, वाडी, व्हाइटफ़ील्ड, यादगीर, यशवंतपुर, चिकोडी रोड स्टेशन

कर्नाटक में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तेज गति से शुरू किए गए हैं। अब तक कर्नाटक के 09 स्टेशनों (अलनावर, बादामी, बागलकोट, बंटवाल, धारवाड़, गदग, गोकक रोड, कोप्पाल, मुनीराबाद) के कार्य पूरे हो चुके हैं। अन्य स्टेशनों पर भी कार्य तेज गति से शुरू किए गए हैं और ऊपर दिए गए कुछ स्टेशनों की प्रगति इस प्रकार है:

- **यशवंतपुर स्टेशन: पूर्व दिशा के आगमन प्रांगण का सिविल कार्य, पूर्व दिशा के सब-स्टेशन का सिविल कार्य, पूर्व दिशा पर एलिवेटेड सड़क और मल्टी-लेवल कार पार्किंग के कार्य पूरे हो गए हैं। पूर्व दिशा के आगमन प्रांगण, पूर्व दिशा में एलिवेटेड सड़क और मल्टी-लेवल कार पार्किंग, सीवेज ट्रीटमेंट संयंत्र का कार्य, पश्चिम दिशा के स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म शेल्टर और एयर कंकॉर्स के संरचनात्मक कार्य शुरू कर दिया गया है।**

- **बेंगलुरु कैंट स्टेशन: दक्षिण दिशा में 24 मीटर चौड़े डायवर्जन रोड, प्रशिक्षण केंद्र, उत्तर दिशा में छात्रावास और दक्षिण दिशा की ओर स्टेशन भवन की ओर के संरचनात्मक कार्य पूरे कर लिए गए हैं। दक्षिण दिशा के स्टेशन भवन का फिनिशिंग कार्य, उत्तर दिशा के स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य, दक्षिणी बेसमेंट और पैदल पार पुल का कार्य शुरू किया गया है।**

- **व्हाइटफ़ील्ड: चाहर-दीवारी का निर्माण, 2 और 4 पहियों वाली गाड़ियों के पार्किंग में सुधार, प्लेटफार्म 1 और 2 पर शेल्टर की व्यवस्था और महिला प्रतीक्षालय के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। प्लेटफार्म 3 और 4 पर प्लेटफार्म शेल्टर की व्यवस्था, फूड प्लाज़ा का निर्माण, नए कैनोपी के साथ स्टेशन का सुधार और 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है।**

- **कृष्णराजपुरम: प्लेटफ़ॉर्म 4 के पीछे पे-एंड-यूज़ टॉयलेट और 2 व 4 पहियों वाली गाड़ियों की पार्किंग के सुधार के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। तीसरी एंट्री बूथ की स्थापना, प्रतीक्षालय का निर्माण, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर की व्यवस्था और तीसरी एंट्री पर पार्किंग में सुधार कार्य शुरू कर दिया गया है।**

- **केंगेरी: मुख्य प्रवेश की ओर 4 पहिया वाहन पार्किंग का सुधार कार्य, दूसरे प्रवेश स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य, दूसरे प्रवेश की पहुँच सड़क, दूसरे प्रवेश पर 2 पहिया वाहन पार्किंग और प्लेटफॉर्म 4 पर पे एंड यूज़ शौचालय का कार्य शुरू किया गया है। दूसरे प्रवेश स्टेशन भवन की फिनिशिंग, प्लेटफॉर्म शेल्टर्स की सुविधा, मुख्य प्रवेश स्टेशन भवन**

(प्रतीक्षालय) का विस्तार, 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल का निर्माण और मुख्य प्रवेश की ओर परिचालन क्षेत्र के सुधार का कार्य भी शुरू किया गया है।

- दोडबल्लापुर: मुख्य प्रवेश द्वार से 2 और 4 पहियों वाले वाहन पार्किंग का सुधार कार्य पूरा किया जा चुका है। प्लेटफार्म शेल्टर, पे एंड यूज टॉयलेट, स्टेशन भवन के दूसरे प्रवेश द्वार की व्यवस्था, पार्किंग क्षेत्र के दूसरे प्रवेश द्वार का सुधार और 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल की व्यवस्था के कार्य शुरू किए गए हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना में रेलवे स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणबद्ध तरीके से कार्यान्वयन करना शामिल है। प्रत्येक रेलवे स्टेशन पर आवश्यकता को देखते हुए मास्टर प्लान बनाने में निम्नलिखित कार्य शामिल हैं:

- रेलवे स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार
- रेलवे स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण
- रेलवे स्टेशन इमारत में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठक व्यवस्था, वाटर-बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पुल/एयर कॉन्कोर्स की व्यवस्था
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैम्प की व्यवस्था
- प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/निर्माण और प्लेटफ़ॉर्म पर कवर की व्यवस्था
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क की व्यवस्था
- पार्किंग क्षेत्र, यातायात के विभिन्न साधनों का एकीकरण
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- एक्ज़ीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, भूदृश्य निर्माण आदि की व्यवस्था।

इस योजना में दीर्घावधि में चिरस्थाई और पर्यावरण अनुकूल समाधानों; आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध तरीके से एवं यथा व्यवहार्य गिट्टी रहित रेलपथ की व्यवस्था आदि और रेलवे स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की संकल्पना भी की गई है।

इसके अलावा, भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास सतत और निरंतर प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य पारस्परिक प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकता के अनुसार शुरू किए जाते हैं। रेलवे स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्य स्वीकृत और निष्पादित करते समय निचली कोटि के स्टेशनों की तुलना में उच्चतर कोटि के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

अमृत भारत स्टेशन योजना सहित रेलवे स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण का वित्तपोषण सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है न कि रेलवे स्टेशन-वार या राज्य-वार। बेंगलुरू सिटी क्षेत्र के स्टेशन दक्षिण पश्चिम रेलवे के क्षेत्राधिकार में आते हैं। दक्षिण पश्चिम रेलवे के लिए, योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 572 करोड़ रुपये (संशोधित अनुमान) का आवंटन किया गया है और अब तक 468 करोड़ रुपये (दिसंबर 2025 तक) व्यय किए गए हैं।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल स्वरूप का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा अंतर्ग्रस्त होती है और इसके लिए दमकल विभाग की स्वीकृति, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी साधनों (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, बिजली/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) का स्थानांतरण अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों के परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के नजदीक किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड

संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य को पूरा करने के समय को प्रभावित करते हैं। अतः, इस चरण में कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती।

भारतीय रेल में परियोजनाओं के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए एक सुस्थापित तंत्र है, जिसमें उनकी समीक्षा, निरीक्षण, समय और लागत में वृद्धि की जांच, कार्यों की गुणवत्ता और लेखा परीक्षा शामिल है। परियोजनाओं की विभिन्न स्तरों पर निगरानी की जाती है, जिसमें भारतीय रेल के समर्पित पोर्टल भारतीय रेलवे परियोजना स्वीकृति एवं प्रबंधन (आईआरपीएसएम) के माध्यम से भी निगरानी की जाती है। विभिन्न संहिताओं और नियमावलियों में निर्धारित मानकों और विशिष्टताओं का पालन करते हुए कार्य किए जाते हैं। विभिन्न एजेंसियों/अधिकारियों/बहु-विषयक टीमों द्वारा समय-समय पर निर्धारित निर्देशों के अनुसार निरीक्षण/लेखा परीक्षा/जाँच की जाती है और सुधार हेतु त्वरित कार्रवाई की जाती है। निष्पादन इकाइयों के सामने आने वाली समस्याओं का तदनुसार समाधान किया जाता है। यह एक सतत और निरंतर प्रकिया है।

******